MS-CIT
World-class Comprehensive Computer Course

Model Answer
Set- I
Std. – 10th MM/EM
Subject – हिंदी (संपूर्ण)

MKCL KLiC Courses
Gateway to Knowledge Lit Careers

Time : 3 Hrs. **Marks : 80**

विभाग १ – गद्य

प्र.१ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

लेखक के परिवार के सदस्य
- लेखक (सुनील)
- बाबू जी
- अम्मा जी
- अनिल

२) i) आकृति पूर्ण कीजिए।

परिच्छेद में उल्लिखित दो गाड़ियाँ: फिएट — इंपाला शेवरलेट

ii) एक शब्द में उत्तर लिखिए।

१. स्टेट गेस्ट २. चौदह

३) i) निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए।

१. शौकीन २. समझदार

ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए।

१. गाड़ियाँ २. आँखे

४) पहले के नेता अपने देश की आजादी एवं विकास के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर देते थे। उनके लिए अपने देश की सेवा से बढ़कर और कोई कार्य नहीं था। उन्होंने पूरी ईमानदारी से अपना कार्य किया था, परंतु आज अधिकतर राजनेता अपने फायदे के लिए अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। ये लोग सरकारी कार्यों के लिए सरकार द्वारा दी गई सुख-सुविधाओं का उपयोग अपने निजी कार्यों के लिए करते हैं। अपने पद के बल पर ही अपने रिश्तेदारों को नौकरियों पर लगाते हैं। स्वयं व रिश्तेदारों द्वारा किए गए गलत कार्यों पर पर्दा डालने हेतु भी अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। सरकार को ऐसे भ्रष्ट नेताओं के विरुद्ध कठोर कदम उठाते हुए उनकी पोल खोलकर उन्हें नौकरी से निकाल देना चाहिए।

प्र.१ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

नाम
- मालिक – रामस्वरूप
- नौकर – रतन
- पत्नी – प्रेमा
- बेटी – उमा

२) i) कृति पूर्ण कीजिए।

शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त वाद्यों के नाम: हारमोनियम — सितार

ii) कारण लिखिए ।

रामस्वरूप हारमोनियम के जरिए लड़के वालों को दिखाना चाहते थे कि उनकी बेटी को गाना –बजाना भी आता है ।

३) i) पठित परिच्छेद में से लिंग शब्द की जोड़ी खोजकर लिखिए ।

पति – पत्नी

ii) शब्दयुग्म पूर्ण कीजिए ।

१. लिखे २. सोसायटियों

४) तबला मेरा पसंदीदा वाद्‌ययंत्र है, क्योंकि यह भारतीय संगीत में प्रयोग होने वाला एक तालवाद्‌य है । यह लकड़ी के दो बेलनाकार व ऊपर की ओर चमड़ा लगे हुए हिस्सों के रूप में होता है, जिन्हें रख कर बजाया जाता है । इन्हें 'दायाँ' और 'बायाँ' कहते हैं । इन्हें बजाते समय हाथ की उँगलियों, हथेली और कलाई का प्रयोग किया जाता है । दोनों यंत्रों के ऊपर बीच में एक काली गोल आकृति होती है, जो अक्सर एक काले पदार्थ की बनी होती है, जिसे स्याही कहा जाता है । ये काली आकृति चमड़े के ऊपर लगी होती है । मुझे तबला बजाना बेहद पसंद है । मैंने बचपन से ही तबला बजाना सीखा है और अब मैं एक प्रसिद्‌ध तबला वादक बनना चाहता हूँ । इसके लिए मैं पढ़ाई के साथ – साथ तबला बजाने का भी रोज अभ्यास करता हूँ ।

प्र.१ इ) निम्नलिखित अपठित गद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

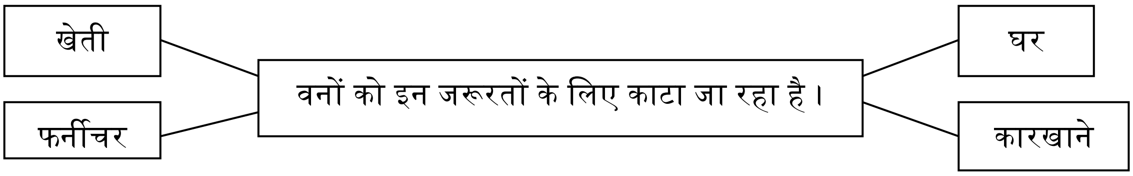

२) वृक्ष हमें फल-फूल, लकड़ी और अनेक प्रकार की जीवनोपयोगी वस्तुएँ प्रदान करता है । थका-हारा पथिक वृक्ष की छाया में राहत पाता हैं । पशु-पक्षियों का यह आश्रय स्थान है । ये केवल धरती की शोभा ही नहीं बढ़ाते बल्कि हमारे परम हितैषी और निःस्वार्थ सहायक मित्र हैं । वृक्ष के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते । ये दूषित वायु को सोखकर हमें शुद्‌ध हवा देते हैं । ये हमारे जीवन दाता हैं । ये बरसाती बादलों को आकर्षित करते हैं और वर्षा के लिए सहायक बनते हैं । इनकी जड़े मिट्टी का क्षरण रोकती हैं । ये हमारा स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए भी मदद करते हैं । इनसे मिलनेवाली जड़ी-बूटियों का महत्व हम सब जानते ही हैं । वृक्ष का हर अंग मनुष्य के लिए उपयोगी है । पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ये अहं भूमिका निभाते हैं । जीवनवायु देकर हवा शुद्‌ध करते हैं और ध्वनि तरंगों को सोखकर वातावरण शांत करते हैं । इनके लाभों को देखकर ही हमारे पूर्वजों ने इनकी पूजा आरंभ की होगी । अंत में इनके महत्व को ध्यान में रखते हुए यही कहूँगी,

'वृक्ष लगाओ, वृक्ष बचाओ
जीवन में खुशियाली पाओ ।'

विभाग २: पद्‌य १२ अंक

प्र.२ अ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

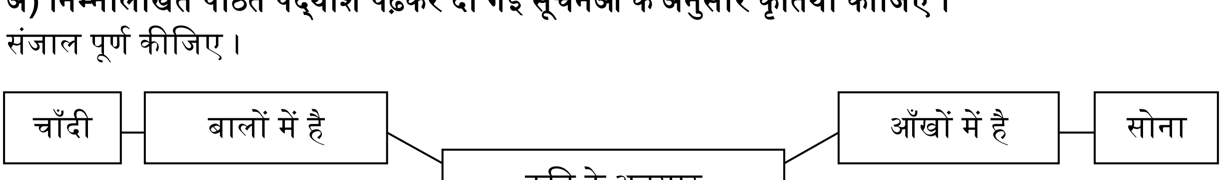

२) i) निम्नलिखित शब्दों से तद्‌धित बनाकर लिखिए ।

१. जोशीला २. आर्थिक

ii) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।

१. रात २. काव्य

३) कवि ने प्रस्तुत कविता में आयकर विभाग के छापे का वर्णन किया है । कवि कहता है कि उनके घर आयकर विभाग का बहुत बड़ा छापा पड़ा था । छापा मारनेवालों ने जब उनके घर में घुसकर उनसे 'सोने' अर्थात स्वर्ण धातु के बारे में पूछा, तब उन्होंने व्यंग्यात्मक रूप में उसका जवाब देते हुए कहा कि 'सोना' उनकी आँखों में है, क्योंकि वह बहुत दिनों से

सोए नहीं है।

प्र.२ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

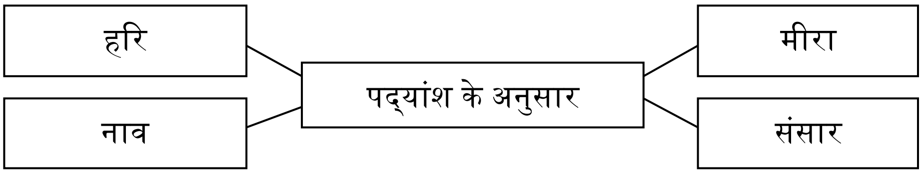

२) i) निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए :

१. सांसारिक २. दासी

ii) पद्यांश में आए दो शब्दयुग्म खोजकर लिखिए।

१. आदि-अंत २. बेर - बेर

३) मीराबाई कहती हैं कि विकारों से भरे इस भवसागर में मेरी नाव के पाल फट गए हैं और अब इस नाव को डूबने में समय नहीं लगेगा। हे प्रभु ! मेरी नाव के पाल बाँध दो। यह तुम्हारी विरहिणी तुम्हारी ही राह देख रही है। मैं आपकी दासी मीरा आपकी शरण में आई हूँ और हर पल बस आपका ही नाम रटती रहती हूँ।

विभाग ३ : पूरक पठन

प्र.३ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) कृति पूर्ण कीजिए।

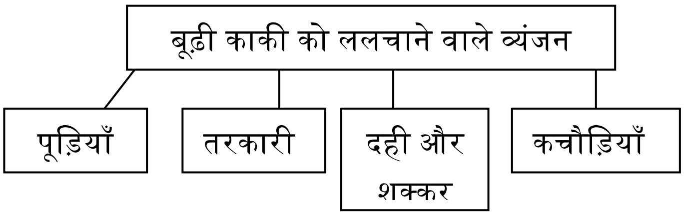

२) बुढ़ापा बचपन का पुनरागमन हुआ करता है। इसमें इंसान की समझ बच्चों सी हो जाती है। उनका मन भी बच्चों की तरह कोमल व सरल हो जाता है। उन्हें भी बच्चों की तरह प्यार और अपनेपन की जरूरत होती है। जिस प्रकार एक बच्चा डाँट सुनने पर रूठ जाता है परंतु थोड़ा सा स्नेह पाकर मान भी जाता है। ठीक इसी तरह ये भी अपमानित होने पर रूठ जाते हैं पर स्नेह पाकर अपना अपमान भूल जाते हैं। बूढ़ों को अधिक काम न करने कारण खाली समय भी खूब मिलता है और उस समय में इन्हें अपनों के साथ हँसते – खेलते वक्त बिताने की आस होती है। वे अपना बीता हुआ बचपन वापस पाना चाहते हैं। जैसे बचपन में हम माता-पिता के आश्रय में सुख – चैन पाते हैं। बच्चे अपनी मन की मुराद पूरी न होने पर रोते हैं वैसे ही ये बुजुर्ग भी आक्रोश करते हैं। इन सब बातों से यही स्पष्ट होता है कि बुढ़ापा बचपन का पुनरागमन ही है।

प्र.३ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) i) परिणाम लिखिए।

क) सितारों का छिपना – आकाश सूना हो जाता हैं।

ख) खारे जल से विषाद का धुल जाना – मन पावन हो जाता है।

ii) उत्तर लिखिए।

क) आँखों से बरसती है – मन की पीड़ा

ख) साथ चलते हुए भी मौन रहती हैं – रेल की पटरियाँ

२) प्रस्तुत हाइकु विकास परिहार द्वारा लिखा है। अपने अनुभव के आधार पर कवि कहना चाहते है कि मनुष्य की जीवन के प्रति आसक्ति होने के कारण ही वह मृत्यु का जहर पी लेता हैं। जीवन के प्रति उसे मोह होता है यही यथार्थ है। जिजीविषा के कारण ही मनुष्य नियति के उग्र परिवर्तनों का सामना कर पाता हैं। प्राणघातक परिस्थितियों में भी वह तालमेल बिठाकर अपना अस्तित्व कायम रखता है। विवशता की हर दीवार को ढहा देता हैं। हर मुश्किल का जहर पीकर अपनी मंजिल की ओर चल पड़ता है और जीवन का अंतिम पड़ाव तो मृत्यु ही है। इस सच्चाई को जानते हुए भी

मनुष्य जीवन के प्रति आसक्ति नही छोड़ता ।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : १४ अंक

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए

१) अधोरेखांकित शब्द का शब्द-भेद पहचानकर लिखिए ।

साक्षात्कार – संज्ञा

२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग किजिए ।

अ) तरफ – बच्चा माँ की तरफ देखकर मुस्कुराया ।

आ) के लिए – मैंने माता –पिता के लिए उपहार लिए ।

३) कृति पूर्ण कीजिए । (दो में से कोई एक)

शब्द	**संधि- विच्छेद**	**संधि -भेद**
सूर्यास्त	**सूर्यः + अस्त**	**स्वर संधि**

अथवा

शब्द	**संधि- विच्छेद**	**संधि -भेद**
अंतः चेतना	अंत + चेतना	**विसर्ग संधि**

४) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक सहायक क्रिया को पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए ।

सहायक क्रिया	**मूल रूप**
अ) गई	जाना
आ) पड़ा	पड़ना

५) निम्नलिखित में से किसी एक का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए ।

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक रूप**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप**
अ) खाना	खिलाना	खिलवाना
आ) झुकना	झुकाना	झुकवाना

६) निम्नलिकित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

अ) फूट-फूटकर रोना – जोर-जोर से रोना = मेरे घर में बारीश का पानी आने से मैं फूट-फूटकर रोइ ।

आ) मुँह लटकाना – निराश होना = परीक्षा में कम अंक मिलने पर भैय्या मुँह लटकाकर बैठा ।

अथवा

अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।

नारी पर हुए आत्याचार की कहानी पढ़कर कलेजे में हुक उठता है ।

७) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए ।

कारक चिह्‌न	कारक भेद
अ) ने	कर्ताकारक

८) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम चिह्‌नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।

बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दे ।

९) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए ।

i) उन्होंने पुस्तक शांति से पढ़ी थी ।

ii) ऐसा ही काम मैं सूचित करुँगा ।

iii) अली घर से बाहर चला गया ।

१०) **i) नम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए ।**

मिश्र वाक्य

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ को आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए ।

i) तुम्हारी बात मुझे अच्छी नही लगी ।

ii) हाय ! गाय ने दूध देना बंद कर दिया ।

११) निम्नलिखित वाक्यों में से दो किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए।

i) मैं मेरे देश से प्रेम करता हूँ।

ii) रंगील फूलों की माला बहुत सुंदर लग रही थी।

iii) उसे गाय की पीठ पर डंडे बरसाने नहीं चाहिए थे।

विभाग ५: उपयोजित लेखन

प्र.५ अ) सूचना के अनुसार लिखिए।

१) पत्रलेखन

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

दिनांक : २५ जनवरी, २०१८
प्रिय अनुज पंकज,
सस्नेह आशीष,
कल ही विद्यालय से पिताजी के नाम लिखा पत्र प्राप्त हुआ जो चेतावनी भरा था। विद्यालय की ओर से बताया गया कि आजकल विद्यालय में तुम्हारी अनुपस्थिति चिंताजनक है। तुम्हारा विद्यालय का सारा काम तथा गृहकार्य अधूरे हैं। तुम अपने सहपाठियों के साथ बात-बात पर लड़ते-झगड़ते हो, मार-पीट भी करने लगे हो। सचमुच चिंता की बात है।
प्यारे अनुज क्या हो गया है तुम्हें ? तुम पहले तो ऐसे नहीं थे। यह तुम्हारे नए दोस्तों का असर है। इन दोस्तों का साथ धीरे –धीरे छोड़ दो और अध्ययन में लग जाओ। अब परीक्षा के लिए समय भी कम है। कुसंगति में पड़कर स्वयं अपना भविष्य नष्ट न करो मेरे भाई।
मुझे उम्मीद है कि तुम मेरी बात समझोगे और अगामी परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तेर्ण होंगे। यहाँ सब कुशल मंगल है। तुम्हारी कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना है। माँ और पिताजी का तुम्हें ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद।
तुम्हारी बहन,
शारदा परांजपे,
नाम : शारदा परांजपे,
पता : राम कुटीर,
शुक्रवार पेठ, कोल्हापुर।
ई-मेल आई डी – sharda.par134@yahoo.com

अथवा

दिनांक : २२ फरवरी २०१८
प्रति,
मा. व्यवस्थापक,
औषधि भंडार,
नागपुर।
विषय : औषधियों की माँग।
संदर्भ : आपका सूची-पत्र।
मा. महोदय,
मैं विजया मोहिते आपकी नियमित ग्राहक हूँ। इस बार मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता है उनकी सूची नीचे दे रही हूँ। कृपया सूची के अनुसार जल्द – से जल्द औषधियाँ भेजने की कृपा करें।

अनु. क्र.	औषधि का नाम	मात्रा
१.	त्रिफला चूर्ण	१७० ग्राम
२.	च्यवन प्राश	१ किलो
३.	खदिरादी वाटी	२५ ग्राम
४.	आमला शरबत	५०० मि. ली
५.	सुवर्ण सूत शेखर	२५ ग्राम

नियमानुसार सौ रूपए का पोस्टल आर्डर इस पत्र के साथ भेज रही हूँ। शेष रकमी वी. पी. पी. कर दीजिए। पार्सल आते ही तुरंत छुड़वा लिया जाएगा। उचित कमिशन देने की कृपा करें।

धन्यवाद,
भवदीया,
विजया मोहिते।
नाम : विजया मोहिते।
पत्ता : वरदा सोसायटी,
विजयनगर, जालना।
ई-मेल आय डी – vijayamohite@gmail.com

२) गद्य आकलन

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो।

i) रमण का एक साथी क्या कर रहा था ?

ii) रमण का साथी अध्यापक जोन्स के पास क्यों गया ?

iii) रमण ने किस महाशय के निबंध पढ़े ?

iv) अध्यापक जोन्स ने रमण को कौनसा कार्य सौंपा ?

v) अध्यापक जोन्स रमण का लेख क्यों लौटा न सके ?

आ) सूचना के अनुसार लिखिए।

१) वृत्तांत – लेखन

अपने क्षेत्र में स्थानीय निवासियों द्वारा मनाए गए वृक्षरोपण समारोह का वृत्तांत ६० से ८० शब्दों मे लिखिए।
(वृत्तांत में स्थल, समय घटना का उल्लेख आवश्यक)
२२ जुलाई, २०१८ को अकोले में बृहद वृक्षारोपण समारोह संपन्न हुआ। अकोले ग्रामपंचायत की इस समारोह में विशेष भूमिका रही। श्रीमान सरपंच महोदय ने इस अवसर पर स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि, 'हमारे वेद, पुराण सब यही कहते हैं कि एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है। वृक्ष है तो हमारा वर्तमान सुखद और भविष्य सुरक्षित है। आज लगाया गया हर वृक्ष हमारे पुत्र की तरह हमारा पालनहार और जीवन का आधार होगा।' स्थानीय निवासियों ने तालियों की गूँज के साथ सरपंच महोदय की दाद दी और वृक्षारोपण में अपनी ओर से सहयोग के लिए हामी भरी।

इस अवसर पर अकोले के कई मान्यवरों ने पौधे लगाए और उन पौधों के रख – रखाव की जिम्मेदारी उठाने की शपथ ली। समारोह का समापन जूलूस के साथ हुआ। जूलूस में पथनाट्य भी किया गया जिसमें हर चौराहे पर वृक्ष का महत्त्व समझाया गया और उन्हें न काटने की बिनती की गई। वृक्ष संरक्षण एवं वृक्ष संवर्धन के दोहरे संदेश के साथ ५००० पौधे लगाए गए।

अथवा

कहानी लेखन

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए।

शीर्षक – जैसा करोगे, वैसा पाओगे

अमावस की रात थी और रामगढ़ की बिजली भी गुल हो गई थी। चोर – उचक्कों के लिए तो यह सोने पर सुहागा अवसर था, इसलिए मौका हाथ से कैसे जाने देते। चार चोरों ने सेठ हरदयाल के घर में सेंध मारी। वहाँ उन्हें बहुत सारा धन – रोकड़ा और जेवर हाथ लगे। चुराया हुआ धन लेकर वे रामगढ़ से दूर भाग गए। रास्ते में एक घने जंगल में उन्होंने रात बिताई और पुलिस से राहत पाई।

सुबह होते ही उन्होंने धन का बँटवारा करने की बात सोची। रामगढ़ और वहाँ की पुलिस से वे बहुत दूर थे। इसलिए सोचा कि कुछ खा पी लेंगे और फिर बँटवारा करेंगे। जंगल में तो खाने – पीने के लिए कुछ नहीं था। तब उन्होंने सोचा कि दो चोर शहर में जाकर कुछ ले आएँगे, तबतक दो धन की रखवाली करेंगे। उन्होंने ऐसा ही किया। रघू और शामू शहर में मिठाई लाने गए और कान्हा और कर्मा धन की रखवाली करते जंगल में बैठे। चारों की नीयत में खोट थी। नगर गए रघू और शामू ने सोचा अगर मिठाई में जहर मिला दिया तो कान्हा और कर्मा को कैसे पता चलेगा ? मिठाई खाकर जब वे मर जाएँगे तो हम दोनों ही धन के मालिक बन जाएँगे। उधर कान्हा और कर्मा ने सोचा जैसे ही वे दोनों

मिठाई लेकर आएँगे हाथ धोने के बहाने हम उन्हें कुएँ पर ले जाएँगे और कुएँ में धकेल देंगे । वे दोनों मर जाएँगे और सारा धन हमारा हो जाएगा ।

चारों ने अपनी – अपनी योजनाओं को अंजाम दिया । रघू और शामू ने मिठाई में जहर मिला दिया और कान्हा और कर्मा को दी । मिठाई खाने से पहले कान्हा और कर्मा , रघू और शामू को लेकर कुएँ पर गए और जब वे दोनों हाथ – मुँह धो रहे थे तब उन्हें कुएँ में धकेल दिया । अपनी योजना सफल होने की खुशी में कान्हा और कर्मा ने मिठाई खाई । किंतु हाय ! जहर ने अपना असर दिखाया और जंगल में लाइलाज वे दोनों भी तड़प – तड़पकर भगवान को प्यारे हो गए । किसी ने ठीक ही कहा है कि काँटे बोओंगे तो फूल कैसे खिलेंगे । आखिर में धन का बँटवारा तो हुआ नहीं । सेठ हरदयाल ने थाने में रपट लिखवाई थी इसलिए पुलिस तलाश कर रही थी । उन्हें जंगल में धन बरामद हुआ जो फिरसे हरदयाल को सौंप दिया गया ।

सीख : बुरे काम करने वालों को उसका परिणाम भुगतना ही पड़ता है । भगवान के घर देर है पर अंधेर नहीं ।

२) विज्ञापन लेखन

निम्नलिखित जानकारी के अधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।

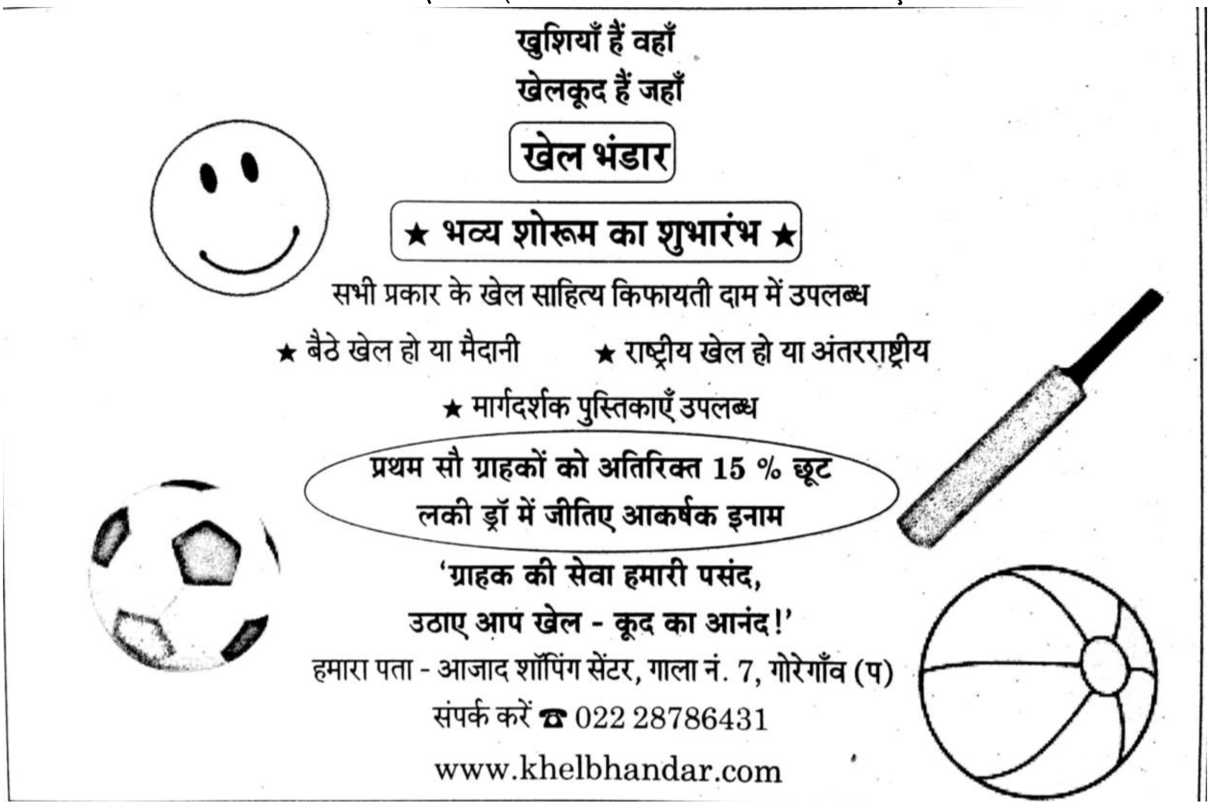

३) निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए:

१) **समाचार पत्र**

समाचार पत्र मनुष्य की दिनचर्या का अहं अंग हैं । प्रातः काल में मनुष्य को इसका इंतजार रहता है । हमारे आस – पास की व देश – विदेश की घटनाओं की जानकरी हमें समाचार पत्र से प्राप्त होती हैं । शिक्षा, खेल, मनोरंजन, आदि की जानकारी प्राप्त करने का सबसे सस्ता साधन है 'समाचार पत्र' जो सुबह – सुबह घर की दहलीज पर हमें मिल जाता है और हमारी चाय की चुस्कियों को मजेदार बनाता है ।

हमारे जीवन में इसकी इतनी अहमियत है कि समाचार पत्र का व्यवसाय दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है । कई भाषाओं में सह प्रकाशित होता है । दिन के हर प्रहर में यह प्रकाशित होता है, सुबह के साथ ही दोपहर समाचार अलग, संध्या समाचार अलग प्रकाशित होना इसका महत्त्व ही बया करता है ।

आजादी के इतिहास में इसने अहं भूमिका निभाई । आज भी जनता की आवाज बनकर ये सरकार तक पहुँचते हैं और सरकार की नीतियों को जनता तक पहुँचाते हैं । सरकार की अन्यायपूर्ण नीतियों का कार्य बखूबी कुछ निभाते हैं । जन-जन से जुड़कर ये सामाजिक चेतना का संदेश देते हैं ।

यह संसार परिवर्तनशील है । अखबार भी उससे अछूता नहीं है । पहले ये सिर्फ ब्लैक एंड वाईट हुआ करते थे । अब ये आकर्षक और रंगीन बन गए हैं । रविवार के अखबार में तो सेहत से लेकर साहित्य तक बहुत कुछ छपा होता है । इसके संपादकीय लेख दर्जेदार होते हैं । साथ ही कविताएँ, कहानियाँ चुटकुले, शब्दजाल, सुडोकू आदि भी इसकी रंगत बढ़ाते

हैं।

इसमें छपे विज्ञापन बेघर को घर ढूँढने में मदद करते हैं तो बेकार को काम दिलाने में; किसी का घर बसा देते हैं तो किसी की वस्तुओं का विक्रय बढ़ाने में मदद करते हैं। आज यह कई लोगों की आजीविका चलाता है। मुद्रक, संपादक, प्रकाशक, संवाददाता, आदि को यह रोजी-रोटी देता है। इसकी शक्ति को पहचानकर ही शायद अकबर इलाहबादी ने लिखा होगा,

'खींचो न तीर कमान से, न तलवार निकालो।
जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

अब यह समाचार पत्र की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह निष्पक्ष रहकर न्यायपूर्ण भूमिका निभाए और समाज को गुमराह होने से बचाए।